चित्रकारस्थि। विश्व विश्व स्वास्त्र क्ष्यास्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र

नन्ग रन्दि त्या अर्कें व व अपव र्रा कुं या विषया क्षें में वा या केंवा तत्रीय अद्राय प्राप्त प्राप्त अद्रा धेव व प्राप्त प्राप्त स्था विवास अर्ळव वे '८श'पॅट गार्डिं याव्या ग्री भ्रेश रा र्ळट 'स्व 'वेग' गु नर्भेष्रयार्पेन्। वानगरायानेनानगरायीः श्रे भ्राक्षान्ययाञ्च विवाः म् क्रिंश्यराधिन्। चॅन् क्षे नेवायायान्त्राचान्त्राच्या विवासे विवासे । न्यतः र्वे विषाः मुः श्रूनः येन्। रेनः तर्वेषाः अनः र्वेषाश्राक्षणः कराः न्याः रेषाः यश्रियाग्री'ययाकेव'याप्यम् भ्रियाग्री'व्यापास्व प्रति श्लेपायार्थापाः विगानु । त्राम्याञ्चरयाधीन्। स्यान्यं वर्षः स्वायाञ्चरः विषाः अ'र्ग्रेष'प्रते'रेष'भेट्'ग्रे'अपष्य'ट्यट'वेषा'तु'र्देष'य्त्रुट'र्थ्ट्। र्देन गुर-५ क ने दे तथा क्षेत्र है। र्ख्य हैं। यं या से पार्ट पार्ट थिए वर गिन्द्रेन्य क्ष्य क्ष्य भ्रम्य स्ट्रिय क्ष्य भूषे नार्म् न ने न स्वापन स्व क्रिंयानेनान्म। भ्रम्कानाम् अम् विनायाः भ्रान्त्र नुवाधियाः प्रमा ञ्चणारामानु ने प्रति प्रत्यामन्यायनि ते क्षिटा लें ने माने वापारी नि र्ज्य रेगा गे अर्द्रा तस्रेय अघर सेर्र् रायसेय प्रेर् र्प राते में ता त्या समित पुरस्त पा प्रविवा के विवा वी प्रमान प्रित थित नव'नम्। मव'राते भ्रेव'अर्कम्'गम् विग'र्श्याषा तर्मेव छिन्।रामः

नगत केंग्रा ग्ना था सेन सेन सेन मान प्रान्त केंग्रा ग्रान केंग्रा ग्रान केंग्रा ग्रान केंग्रा ग्रान केंग्रा ग्रान केंग्रा ग्राम केंग्र ग्राम केंग्रा केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा ग्राम केंग्रा केंग्रा केंग्र केंग्रा र्यथालाजूट्यासी.श्री.श्रीट्री.योश्चियायायेथ्यामी.लयाचायाद्र्यात्रा. यारायाः प्रति । प्रति । स्प्रति । स्प्रति । प्रति । स्प्रति । स्प्रति । स्प्रति । स्प्रति । स्प्रति । स्प्रति । ग्रुर'प्रशर्ख्य'र्ह्च'र्ष्रागुट'टे'र्श्टेव'युट'र्ळव'ट्ट'। क्रेंश'प्रकृट'प्रर' ला सुवाया रेया ग्री सिन् का वाना यन प्रमाप्ता प्रवापेत र हो। अध्व भ्रेतायावर्दि प्रति मुनाअत्व की अर्ख्ट्यापति भ्रदाका श्रुर क्ष्यायाप्तम् देशे वर्षेत् प्रते पेत् पार्केर के तर्देत् प्रते ह्या त्र्यूर प्रवाधार्या व्याप्त वित्र प्राप्त वित्र प्रवाधाः मु केते अट केंग्राय प्रांट्य प्रांट्य प्रांत्य व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त दे'क्षर'बे'चेद'पदे'तगव'येव'ब्यापदे'रे'च'व्'पवेव'र्थेद्। ८ वे ८ मा में ८ ५ प्रम् प्राप्त विव ८ र्जुल क्वें ल में पर्ट प्रम् वट कट द्वेष रादे कु अर्क व व निष्य नेव द्वेट कु थेवा १) ८४।विटापर्गरागिटर्गरागिरामी के स्थाप्तिया प्रमान मुःर्क्रेंअषायादेविः सायावयार्वेरावर्षा विविषार्गरागिरा वग'विग'हे'रिंश'इग'प्रथय'८८'म् कं'र्ये८'अर्देग'टे'वे'हेते'ह्या त्यूर र्वायमा देव दे यो क्या स्वायमा निष्य स्वायमा वा व हिरावयावियाञ्चापार्थं पेंग्वे स्टावेट्गी अर्वव द्ववायाया ८८। ८८८ वट के पश्चेर विषय केर खेत राख गर्मे गया चेर ब्रिते'चरे'स्वा'ल'वार्रेट'वान्ट्'चते'वाव्यान्न्र्ट्य'नेवा'बेव'चावे'

वन्यापादे भें में न्या यो मेन वियाय वया विव पादे भून क नि न् क्विंद्रादे क्वांत्रा विवाद्यात्र विवादीय विवादीय विवादीय विवादीय विवादीय विवादीय विवादीय विवादीय विवादीय व य) विषारी केषा निषार्देव मुष्ठ अर्के विदान्नित्रा (भ्राम्न अर्था प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प स्री)ग्री भ्राच्या भ्रा (स्थानम् व न्यो अवाया प्रति व विन् अवाया त्यातः विवा अ या हे वा या पावव या भी नि नि नि या ता स्वाया रासु'धेव'धट'ग्वव'र्झेट'शेव'वे'ग्विग'गुट'शेट्। घ्रथ्य'ठट' ब्रे.चार्ट्या.चीट.सूर्य इचारा.धे.सूर.की.चार्च.कैर.बीट.वी.बीट.वार्च. हेश हें व पहे ग्रिया शहेट हैं। प्रका के लेव वे लेवा ग्राह्म हैं हों हिंद अवरःविवाःवाःत्वरात्। चित्राः वाष्ट्राः अवतः सः वः हः अः हे खाः वेवाः धेव थट ग्वव हेंट यो हेट वया तहेंग प्वेया गवव हेंट अ वेया व'रूट'हूँट'विग'मेरा'वे रर्घा'विग'गेरा'गुरा'सहते 'टें' पर्या'मेगा'स यार्नेवाया पर्डेम् स्व त्र्याप्ते प्रमाणीयायापते प्रविष्यापा विगापाळेव रॅिये वा कें सिप्ति प्रिंपियापा स्विग्रापा प्रिंग्रापाया (हिन्गा)र्ड्ययामिन्नार्यानेत्राधिन्ने यासेन्। हेर्यान्ना न्नेत्र राते ग्विषासु र्सेट व्यानुस्रायेव नुस्राने मेंग्राया वट व्या तिवित्यात्रायाता च्या क्या त्रिया त्रायावय क्रितायया स्री त्राया त्राया त्राया त्राया त्राया त्राया त्राया त्र यटाचयायिक्यायाटास्ट्रिंदाके अपरेट्य हें यायो पानुस्र संहिटायाटा लट.भ्रेश्चेश.त.र्भेश्चरा.प्रेश.यट्रेव.बीय.टटा स्वा.त.स्वाय.यघट. र्धिट द्र्या अर्वे व र्धे मु ब्रुच था र्शेव वार्य रिव व विट र दर वाय हिट

भ्रेषावषान्यायायायव ध्वा भ्रुषा अपव र्धिन वे सेना भ्रेषा अधतः चर्यासुस्रान्यायाके चाया केवा त्या हैं त्र न्या चर्या चर्या विवास हिन र्रापित्रम्यापारेत्रहेषाप्रमित्रम्याव्यापार्वेषास्यास्य विर वीव थिंदा पदे वानेवाय हिट थें पदेव शुप रेद खेय पन्द प र्द्याग्रीयासु द्वीयाराम शुरार्द्या मार्क्या देवा वयासमाया नक्ष्यावयात्र्यान्ता नर्डेयास्वातन्याग्रेयायद्वात्रान्ता रान्ना नम्बरान्ना बेनाधेवायराम्बर्म्यायाक्षेत्राच्याके ग्रेवार्याक्षेट र्घे प्रदेव पायेव प्रमायट वर्षायट द्राग्रीट्र वर्षायट यमा परेव पाधेव वया प्रज्ञा परेव पर शुपाया धेव वे रेट अ'गिर्मण्या परेव'यर'अ'श्चप'यते'परेव'य'धेव'वे'वेग'वहेंग' व्यया थेत्। डेयात्ता टार्क्या ग्राचिता यहेवा ग्री ह्री ह्री स्या ग्रुपार । रग्रापापनेवागुनाप्तापनेवायहेव। साना अर्ळवायहेवापा अर्कत्र अ'ग्नाट प्राट प्रोट प्रोठ प्राट क्रिंश प्रत्य ग्राट विष् गित्रेशःग्री वटः र् अप्तर्शः पार्धेन वे अप्तेन केंशः नटा ग्राटा चगाणे नन्ग रेन्।)डेश र्शेग्र नम्न त्र्

अप्तः श्वानः व्योषः च्रेषः प्रदेशः व्याव्याः व्यावः व्याव्याः व्यावः व्यः

नेते केंग पकुन तहें व पागुव अष्ठेव तह या निहर्मा पविन पा र्भेग्राचरे में निगे ख्राचित प्रिकेश केत्र में निग ग्रीय पर्छेय ख्राचित्र प्रम्य ८८। अर्देते दर्वेट्या पार्स्चियाया यहिया रहें या या प्रेति या या से या या स <u>८८। टे.क्र.मेंवा.वा.चेश्वराश्रीट.वाट.लट.क्रेट.ज.श.श्रीयारा.टटा</u> र्हेग्रायायाक्त्रायाक्त्रायायाक्त्राहेंटाटेयायरावयायेत्राद्यायाया राम्यान्त्र प्रति श्चिया म्यान्य स्थान्य स्थान अव्व <u>भ</u>्ने ता न्वे वा पा न्या मुचा अवित कवा वा स्टा नुवा वा के । त्र्येवा र्द्ध्य प्रमित्राचे रात्र र्व्याधिव राज्यय र्येत्र अर्क्षेव र्धित्। द) भ्राञ्चरापावव विगा (भ्राञ्चरा भ्राप्तर दिगा पुर पेत्र) यो वत्त्र । र्थेव कट्रवायट्डियायाङ्गेट्रयाच्याच्ड्याच्याच्ड्याच्यायाङ्गेत्राङ्गेट्रामी (५.८८) क्षिः र्ख्यान्व पायहें व प्रति में व प्रेवा क्षिया क्षेत्र प्रिवा क्षिया प्रति प्राची में विषय क्षेत्र प्राची में विषय क्षेत्र प्राची क्षेत्र क्षेत्र प्राची क्षेत्र क्षेत्र प्राची क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राची क्षेत्र क्षे थॅट्र नेर नेर है न मुखा के प्रकार्कट की का गुट थया दें उट वासुट के पर्वा गम्बारुवापर्ने वाचारा स्वाबा । सेवाबारा नेबार्य परिः ह्या पर्संजामुर्या । भूरवाययाय विवा भूष्ट र प्रच्या विश्व विष्य विश्व व रेग्रायाया नेयायते ह्या तस्या ग्रीया ह्या याययात विवाय स्ट्रीट ग्री नलुगानाधेत्र ग्रह्मिकानाका महिंग्रह्मिका दिवा अर्थेत् । विवा चित्राल्ट्रियाक्षेट्राक्षात्रात्व ह्यान्ट्रा क्र्रिं देवात्राष्ट्रा प्रते ह्या बेट्य

पश्चिमः व्याप्तिः श्रीटायाप्ति । स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप पश्चिमः व्याप्तिः श्रीटायाप्ते । स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप विवाचिरावीवायन्व र्वार्ट्स्यायम् वर्षाः वर्ष

हें वटाया दे केंबा दर्शेषा प्रति ग्वव हें टा दे के प्रमृद्धा के द्धट र्स्य नेया वे पे र्सं मुग्गर व प्रो त्यायायाय हो सुरा समित स् यार्सिटाव्यार्धित। त्वो ख्यायायायटाके त्या है व्रत्या सुव्याया रारेट् नेर मेव थेंट्रा धेव व यट वि रहा कें प्रो शुम्य रादे वट लासूटाययानर्स्याची पटी खुवा नस्टी ययानस्टी परीवा चुरा पि.शु.पर्ग्. यपु. क्रि. प्रम् पर्म् पर्मेश वीष्ट्र, स्वीश तर्मे विश्व श्रास्त्र र्कट्यो ग्वाव्ट प्टर त्रीया वे अर्भेट्य क्षाम्य अर्थव प्रति देव रवार्टा स्वाकेत्र रहा ह्यायाकेत्र स्वायार स्वाया वे अर्रेत् रेषर्ट्य प्रेंप्यग्रय्यक्त्रायर् र्यायत्। वावयातर्क्वायायावयायात्र्यायायाची चेर अपिव 'यट 'तर्वा' चेरा नगत 'नकुट 'राते 'वाव्ट 'र्ट 'नश्रूष' व् गित्रेशस्य न्यावापार्श्यार्था र्था र्था स्थान स् नगात नकुन प्रते धेवा कते खन कुव से ब्लिट्या वया तकन वव से चिषाने दित्र स्था अर्थे। प्रमुग्ना वाषा स्था सामित स्था सामित स्था सामित स्था सामित स्था सामित स तह्वालियायाल्या ल्या व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्याप्ता व्यापता व वटायापश्चरवयार्छायटा खेटाया सेटाय्ये वेषार्शेषायाप्यन्टा र्थित्। भूत्रकातिर्केषात्रुरायाव्यायात्राच्या ठियात्ता देवार्देष्यरा

क्र्यासियोग्नान्तः श्रीयास्त्रयास्य स्थास्त्र स्थास्य स्थिता त्रिया त्रिया स्थान तर्निन् से होत्। र्ख्य र्ह्में संह वर्ष पाया मार्क प्येव तिया ग्रीका हैं। वटान्टान्वो खुवाबावानुबागादी चराया न्यावा वेटा होनान्वीया राते कुं अर्ळव रे पेंट्। रे रें प्रो श्वापित पादव राषापा पु केटा अ.८८.। ४.८) यगाय. पर्केटी ह्. यटा त्य. त्र. श्याय. क्य. पर्केट. रेषा बेट्'ग्री र्श्लेच'गानेर'च'च कुर्देट' अट'र्घेष' बे'र्ले' नु'र्शु अ'रुदे' रेट अर्दे ह्यायायियाया है या था हुट्या पा अधर सेंत्र चुया है 'छेया सु रहा रटार्शे सेंदे खुवा नर्षे व दु सेंट व वा तकन हेंन हें वा वा बा वा वो वा क्रिंग्न क्रिंट् कें क्रिंटे मेट लिये या या व्हिंट क्रिंट अह्ट प्रियायम् र्या प्रमान विष्य है स्ट्रिय स्वाप स्वर्या याञ्चरायावयाञ्चात्रवाळ्टायराष्ट्रीयाययावटायाययाद्रा र्वटाष्ट्री वटाविषाग्रम्प्रियास्य स्वाचिषाग्रम् स्वाचिषा स्वाचिष्य स्वाचित्र स य मेर् थर्। यगाय पक्रिं पाय मर् खेषाय से कुंय प्रम् पाय चर् नगर नकुर नगर र ग्रम्स र स्थान स् र्धिट वीव र्धित्। डेश नम्त त्र्वा भूत क तर्ने केश न्वें न र्चे न विवा'अ'धेव'वया र्यट्'वाट्यांठव'ग्री'र्बेट्या'पट्टेर'र्खे'चमु'र्ख्या' अट.तूपु.ऱ्टाल.चयोष.चर्चेट.त्र.आवश.बीच.वाधुश.र्सेथ.बी.श्रेश. नुःहे हेन् रेवा येनमा वया नुषान् स्थान र द्वा सर्वे सर्वे रामातः नक्त्रप्ते नक्ष्रव पाने वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे अर्घेट यग नेत पीत पा नेता पतित प्र र्ख्य विस्ता में स्वीता गीता नगात नकुन पाया तरी तर्ति अर्घन कुन नि केंगा नव श्चानिका

८) अपवि र्रे र्स्य क्षेय क्षेय प्राचित्र में न्स्य क्षेय क्ष यासुराञ्ज 'पया'यान्या'यीका'नयो'तन्त्र 'सञ्ज स्वा संवीका'नेर'ना विया' केन्'नर्ख्यायान्याने। क्षेत्र केंया मुला वेन् अते भ्रान्या त्या पेन् प्रते इंक्रिंग्निंग्नान्त्रुंभावाण्याय्यात्र्याञ्चात्राञ्चात्र्यान् स्व में केव केंबा तियम के में वा निया निया निया किया स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्व क्र्याया स्थया त्याया क्षे क्र्या प्रते प्रयो प्रस्ते हिमया यायर पा विया चल्याः हो कॅरान्तायहियाः हेव याना धना के मेरा प्रते व्वास्त मेराने कें। तर्कें न'ल'र्केन् तहें व किन् लगानम्ल'न' गुरा वर्षा नर्दव विस्ता तर्ने श्रेव द्राक्षायायवया प्रति निम् योषा अम् क्रियाया ग्री पर्के न तसेया मुकाया पर्युपा विषया च्या प्रति व विष्युपा केवा चिका पा ८८। मै.वर्षित्वारास्त्र्वातास्त्र्रात्र्रात्र्र्भ्रम्भेष्ट्रात्र्रात्र्रात्र् रम्भाति व स्थान स् तर्चेया पति ध्रुयाया चेया चेटा केटा ट्रा शुरा वया प्रमु का ट्रिया खु र्ड्या हे तुर रु केंट थेंट राट रर केंट्र ग्रीका अर्देव खुय रु अर्थेट थेंट्र पर्तप्रापर्वास्यार्वास्यान्याः वर्षायाः वर्षायाः स्थापन्यः

लूटी शतर्यात्र्यास्य म्यान्य प्राप्त स्थान्य स

यान्त्रीं पर्ने वास्तान्य विष्यं वटायार्वेव क्रिंग्स्य क्रिंव या दे तिर्देश क्रिया प्रमृत क्रुं येंदा वा यह रारेत् देखाद्याव यदाळग्या स्टाग्ययर पार्चा तार्श्याया हैं। स्रामान्मा भेता क्रमा प्रति । स्रामा प्रतामा प्रताम प्रत श्रेष्ट्रम् देशप्टा भ्रेष्ट्रम् स्राक्ष्यप्ट्रम् वर्षान्त्रम् वर्षान्त्रम् क्रेट अर्टा नगर नक्टिर नगे खेगवा स्वाधा च्रा वया स्र न न्यानम् गी सेन्। क्रायारिया रा रेन्। नुस्या लेन् गी में या था र्कट्रायाचियापायाचिया मुट्रिट्री छेषाचर्चत र्ज्जिया बट्रायी अर्दे न्त्राप्ययाग्र्यायाय्य्य स्थितायेन्यान्य धिन्कन्यते। यमानित्रीवर्धेत्रर्थयार्भगमानिवर्धेन स्थानिकः अट रें निवर लूटी अट्र रिवंश विश्वश्वां श्री अंतर क्रिट ता है। र्चन्वन्वापृत्वव्यायेन्यन्। विन्ने त्यान्या देव'न्य'पदे'खुट'र्ळव'न्ट'र्ळेष'खुग्य'ग्रे'र्सुग्य'वेव'येट्'व'र्सुट्' ग्रेम भूट क नम् भूनम (अ अर्दे क्रिंग रेग रेग रेट्। ट क्रें प्रम् र्ध्ववायात्रया नेवा नेवा नेदा ) चेरा पार्रा क्ष्वा प्रस्तु ही भें 2011 में वर्षाच बुट 'द 'चर 'द् ' न्न 'द्रट 'यी 'र्ख्य 'र्न्न 'र्स्य या या नि ह्यू थ 'भूते ' ब्रिट खेंद्र अपन्य क्रिंट बिया यीया यायेर हिते प्रेंत्र प्राप्त प्राप्त क्रिंट हा श्विताः अपिव 'र्रा स्वीया पर्स्या त्रा त्रा त्रा में 'प्रविव 'पर्स्याया तर् 'विवा ' क्र्याया ग्रीय र्ल्या क्र्याया तर्रा देते । विषय विषय विषय । विषय विषय । वटाचक्षव रेगागवयादर श्रेया केंग्रायद् ) वेषा श्रेया थेट्रा श्रेट्रा

तत्रट.क.क्ट. नुब. लूट्। तत्रट.क.क्ट. नुब. लूट्। च्या. क्ट्रिंट. क्ट्यां ट्या. त्या. क्ट्रिंट. क्ट्या. क्ट्यां क्ट्यां

2017:7:14 होत्र (हे अप्यति स्वा अहँ प्राव विष्यं अव्या क्रिंवा क्रिंव

2017:2:10 नेव पाट ग्रोबेर इस मुख सर्के प्रमेव प्रेव प्र र्पाव हो स्व तर्या ग्री किंगाया ह्यें र ज्ञेर र त विवा स्वाया स्वाया ग्राटा (प्रथम प्रायोग्ने र मिते र मित्र में असे स्वर प्रमुच र मित्र वेट्याप्वेरप्रे अह्टिक्षें)वेयाचियापार्श्यायाण्ये वट्रायाप्ति प्राप्ति भूट्रक केंग्राग्रेग्राप्त्र प्राप्त्र प्राप्त प्राप्त विद्राय विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्रापत वेषान्ने तनेन नुषान हिन् येन वर्षेन यह से कर गुर्ग है वेषा वो कट्रप्रेंशर्द्रवाटाधेवा द्वीर्यमावर्धेट्रप्रेंशर्द्रवायम् ग्रुअ'ग्रे'र्स्ट्र ग्लेट्र प्राच्या स्यावस्थित् प्राच्या स्वाच्या स्वच्या स्वाच्या स्वाच स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वच वट वय मिंट क्र्य तर्गे मिट टे अट्र ट्वय प्यय प्यय में अंटर म्नेट अट पावया पेट पाचर्चिया द्वीया पति कुष्य अर्वत के पेट्रा र्क्या म्निं स्वायायवायः विवायीया केटा ट्राचर्ड्याया प्रति वासे सम्ति द्वी । तर्व अध्व र्ष्ट्याया चेराचा देया द्रार्था श्वाया च कुरा या सुवाया व म् क्रिया हिया पार्चा तिटा खेटा क्ष्या अध्या श्रीयाया पार्चेटा पार्या याया वि डि'बेवा'चित्र'ग्रीट'य'र्गे'च'र्न्ट्य'र्श्वर्यास्वा'चित्रा वित्रर्र्यात्र्या क्र्यालीयायायां विष्यालायां वृद्रातापुरमें एक लाटा वया लाटा टी. पन्त ने वया द्वी विवाय सेंदा हो "ववा तेया का कंदा ही विवाय पेंदा राते र्चित्र पा इस्राया गुरा वर्षा त्या प्रवाप वर्षा र्चित्र प्रवाप वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व नर ल न्यायाया भेट ज्ञाया हे कें अपव केव दट । अपय दिन है क्रेंबरापा विवा वी होत स्ट्रिट्या धेव वया

तालका त्रज्ञा त्रिवा का त्यावा की वा तालका क्षेत्र की का त्यावा की वा तालका क्षेत्र व्यावा की वा तालका क्षेत्र विकास के तालका व्यावा की वा तालका की वा तालका

भूटाक पट्टावयात्रास्त्रवाद्भवात्र्यात्रास्त्रवाद्भवात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

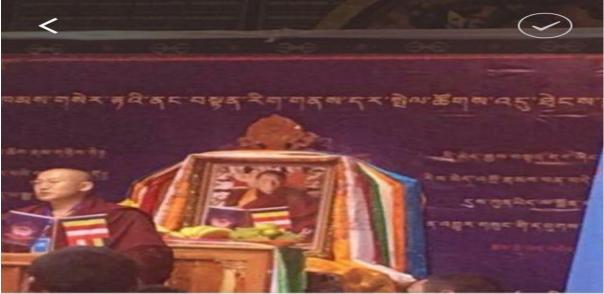
अवयः शुट्रात् क्षे.ची.बुवी.लूट्रियोट्य दुवी. अहेवी. चक्रियाता लुवी वी क्ष्याह क्षेत्र त्यक्षेत्र त्या ख्रीया त्यक्षेत्र त्या क्ष्या क्षेत्र वी क्ष्याह क्ष्या वा क्ष्या क्षेत्र वा वाटा चवी ख्री. जात्वर क्ष्या च्या क्षेत्र वा वाटा चवी ख्री. जात्वर क्ष्या च्या क्षेत्र वा वाटा चवी ख्री. जात्वर क्ष्या च्या क्षेत्र वा वाटा चवी ख्री. जात्वर क्षेत्र च्या क्षेत्र व्या क्ष्या क्षेत्र व्या व्या क्षेत्र वा वाटा चवी ख्री. जात्वर क्षेत्र च्या क्षेत्र व्या क्षेत्र विवा क्षेत्र व्या क्षेत्र विवा क्षेत्र विवा

यभ्यात्म् स्त्रीत्म् स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्



होताः भ्रान्यां ग्री खुताः द्वार्या विष्या होताः होताः विषयः होताः होता

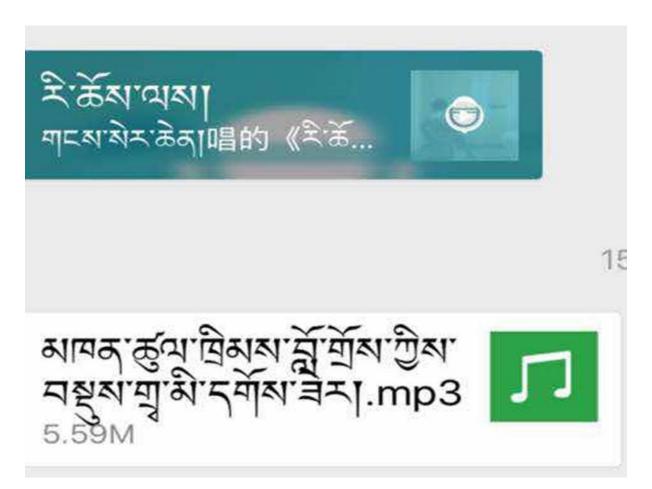




ॺॱॸऻढ़ॖॱॻऻॡऀॻॱॻॖऀॺॱॻॎॺॺॱॻऻॶढ़ ॺढ़ॱक़॓ढ़ॱॡ॔ख़ॱॻॖॎॺॺॱॸॣ॔ॱॻ॔ॺॎ send 

प्रमात्री २०१७ मिन क्षेत्र विष्य क्षेत्र क्

त्यीयाञ्चेताः सैन्यागीः तीयाः निस्यान्ती अटाक्ष्यायञ्चेताः सीयाः निस्यान्ती



म्बर्धिया में के क्षात्र क्

ह्रवात्त्रम् स्वाध्यायात्राचित्रम् स्वत्याक्ष्याचित्रम् स्वत्याक्ष्याचित्रम् स्वत्याक्ष्याच्याः स्वत्याः स्वत्य द्यात्त्रम् स्वत्याः स्वत्यायाः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्य ह्यात्त्रम् स्वत्याः स्वत्यः स्वत्याः स्वत्यः स्वत्



यन्याः भूतः स्वाद्याः शुद्दः श्रीः सेनायाः न्योः क्रितः वितायह्नाः । यहाः न्याः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्व स्वायः प्रेंद्राः स्वाद्यः शुद्दः श्रीः सेनायः न्योः क्रितः वितायह्नाः । यहाः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व



प्रथमः मार्थः मार्थः मार्थः विष्यः प्रथमः क्ष्यः प्रथमः स्त्रीः मूर्यः यम्यः ग्रीयः मार्थः विषयः । या



## () क्रवाय.विवाय.श्र.बी

וראן	A CONTRACTION 单位	NIX'F: tu
扁号	विवासवाचिटासिया 单位	到面到 姓名
1	र्यतायहेवायार्वे देर यह होवा तर वे वार्ष तहेव नव या	प्रवित्र प्रमुक्ति वित्र प्रमुक्ति हो व
	百分人产士编	一 工厂均
2	विश्ववाचार्यर हे व उद्गे व्यव्य केव दिया	क्य वियम मुंग
	色达五明佛学院 堪布	慈诚罗珠
3	ग्रद् सुतु दु प दु द के देवा व के देवा	र्द्र-ति-पार्द्र-इन्-ब्रेयनपति र्वे स्वा 多识
	西北民族大学藏语言文化学院 博导	多识
4	र जुवै नेष रेप र्श्वेप श्वेर मे पर्रे पर्वित्।	र्वट-ल्यूच-२च-क्र-अक्षी
	拉加学院 副校长	东永丹嘉措
5	बे हिंद बिट केद रेग पद्या पद में पहें पहेंद मेद या	अ'र्चेत्र'के'न्दिर'अर्मेद'र्घा
	原四川省文化厅副厅长	泽波
6	क्वियास्त्राचारमानुराक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा	जय.र्टर.ड्रेबी
	原全国少数民族古籍整理研究室主任	李冬生

**े) र्केंगशलुगशक्षा**श्चा

क्रिमांशपर्व ते हुँ ते मार्ड पहें न माह मी शप्र प्रतिन हुं सुवा के के र दे हो। र्द्धम्यत्रत्ते श्चेते मर्दे तहे नार्वे नार्वे नार्ने नार्वे नार्

प्यथ्याम्बरम् तुः उटामी यापदा केवा द्या या द्वारा विस्वा तुं मीं या गान् सुतु न्या चुट से देगाया र्से या केन ची ही ये र्से या दर्यन केन से दिर निया देगा है सरा यदे र्से हिया र्मुतःनेषःरेगार्सेनासेटामीयार्दमिल्नार्थेटार्थेन हनामु अर्दे। शै मिंत बिट केत रेग मंत्रयायद मी मार्ड मार्बेन मात या छ र्चेया के रेट अमेंतर ये। र्मुता प्रति सामा प्रति क्षेत्र स्वास प्रति क्षेत्र स्वास प्रति क्षेत्र स्वास प्रति स्वास स्वास स्वास स्वास स्व रिम् शे'र्वेद'म्द्राह्म शुट्धे देनाय द्रो हिट तसु स्निनाय मी'नार्ड दहेद त्राह्म जा के विद्रास्त मी नार्ड दहेद त्राह्म जा के विद्रास में मार्ड दहेद त्राह्म में मार्ड दहेद त्राह्म में मार्ड दहेद त्राह्म मार्च के विद्रास में मार्ड दहेद त्राह्म मार्च के विद्रास मार्च मार्च के विद्रास मा नुपानुपाने में माना होता माने केन के निया में निया केन के निया के निया केना माने माने केना केना केना केना केना शक्त्रः ह्रिवः द्योः त्रा श्रीचः युदेः द्योः स्वा क्रवः श्रेषः श्रुणाशः वरः सुवा र्चेन हिंद्य श्चें पाकेन ही निमान केन के में में निमान पान पाने हो। चॅर्वेट्यः ह्यें केंग्यार्क्र देगायट मी र्गे म्बर केर से र्वेट चट खें मुत्र इन्दर्वन र्यन्त्र्वन यदे श्चित दर्यन केन से श्चित राम या मु सर्वे। युवानुवाकी देनाका र्रोचा मुवी दमी मन केन कें कें दिन द ना मन्या निका भर्मे र्ज्यमा भे देनाया भे द र्ज्जमा अधुक र्क्षमाया ग्री र्ज्जमाया में रिष्ट्र भे या नामा शै'र्षित र्झे तुन शै'रेगश र्सेन केत मी प्रमान केत र्शे प्रमान सकेता सहत एहें ता न्गार अहें अप्राया धीमा क्याया प्राया मी प्रमान प्रहेंन मन प्राप्त पर्या मुख्य केन लेना या हो अत्यम्य देर्वे मुना अत्यम्य देर्वे मुना

हारोमान्यान्येतात्राचा विष्यान्येतात्रीयान्येतात्रेतात्रेतात्रेतात्रेतात्रेत्या

सर्वे र्हेन सर्वे त्या हा है ए दर्वेन परि र्ह्मेन देवन केन से हैं नर दर्श मुन देया सर्वे हिन द्रमे त्रा ह्री न मुदे ह्री न मर्ड मु यो न्या ह्री गुट में नेंदर देग या बिय पहना है नातर है ने में ने के के के मुखा के प्रमुग या न्ट्रिंट्य.के.श्रु.मं.अष्ट्र्यटाप्रकी क्यांपीटामी क्यांपीट्य के बेर नेया है. हे प्रेयायीया शे वित्रम्थे र ह यावत येन दर्गेन की र्श्वेन दुर्यन केन से खा श्वेन या स्था गुट में हैं केंग्राक्त रेग् प्यापट्य में प्राप्त केंद्र केंग्र में प्राप्त केंद्र केंद <u>ष्ट्रिट 'नुतु'येग्नरा र्श्चेन 'र्रे र्श्वे' स्याप्तमुत् सेया हे 'ग्नु सामुण मर्डे' प्रहेन 'स्रे' रेश यायेग्नरा</u> र्धेना ग्रुट में हैं के म्यायम स्वायम स्वायम स्वायम स्वायम स्वयम चॅंद्रहूटियः ह्ये कॅमयर क्रवर्रमा केंयर भुमयर विचर एहमा मिटरमी दमी मन क्रेवर कें केंट्र चु सु गर्दे श्राम्य श्राम्य र में भ्रव राय में या द्वार हिया खा स्वाया के से ए र या जिया तुन्नुट्रभेर्भेगशर्भेन्यकेन्चीर्नोनन्नुकेन्भेराम्भट्नार्न्थाकेर्भेट्र शक्र्में सेंत्र दें दाय प्राप्त माना वर्षा श्चा स्वाप्त विचायह मा मार्च हारोरानुयान्ने वाचा केवा केवा ना मुनामी प्रामी प्रमान मानि प्रामी प्रमान मानि प्रामी प्रमान मानि प्रमान मानि प क्रूजा मुखा सक्ता सर्वे र्हेन नो त्रार्श्वा केन मु नियायहमा श्रीया सामानुमासा नाम के मैटा *ॱ*श्चार्यमायमायदामी मार्डे दहेन या भ्रमाया ये केट के देवाब द्ये सून वट की त्वान द्रीत या हुई। क्षें बुन भे रैम्ब क्षेंन में ट्रमे में र रैम यदे क्षेंन हमें के के के के रेट द्युर भेड़ा र्चेन् र्रा क्वेंट र्ह्हेट र्ह्हेट र्श ही केंग्राय क्वर रेगा यह मी क्वेंच र्चेन केन केंग्राय र्वेन निर्माय क्व त्नुना त्नुस्रेश्नेम् यदेकेत्साम्बर्धः यक्षेत्रस्य स्वर्धः यक्षेत्रस्य स्वर्धः यक्षेत्रस्य स्वर्धः यक्षेत्रस्य गुट में नेंद्र न्तु द न्य हुत हूँ न मीट मी रन् न्यु अश य गु हुन द निर्देश

गूटमें में रेन रेग यन्ति यद्वा हे मार्क ग्री मार्ड वहें कर पर्म वर्ष

गूट में भे देग्य द्ये अर्दे दावट मी मार्ड दिस मार्वेद या गुस्य या यर्कें र्ह्मेन भे देन माना र्ह्मेन मीट ख्या नुया र्ने द खेना के द हीं ट यह न मुये र्ह्मेन द र्मेन के न भे श्चु"र्न्द्रे"न्यययाम् नृत्रु इया सुवा बिट में द नेया देना अहँ द के द से दे रहें आ हो ना या है नाया हवा यह ता मार्गी शेर्षेत्रप्रोक्षेत्रप्रशृक्षेम्।यद्मीम्वर्षेत्रहेत्रप्राप्तेष्वरत्हर्भार्भे लिलानिलासिलाश्राटाकूषाश्रञ्जी क्यामीटामीक्याबाकू सेयाक्या प्राप्ती शे'र्षेव रुष नेय र्कें माय यदे मार या हैं रया है मार्लेव रुष नेया ग्री मार्के दि हैं दर्गीव अर्के मा 美国 अमी'र्यमा'त्या'मु'न्यमा'नु'धुमा'र्सून'म्वेत'म्वेत'म्वेत्मार्लेन्स'स्नाट'यहस्य'नुनुट्यासिवेत'रूना वेंद्रॱढ़ॣऀ॔॔दशॱद्वेंद्रॱपर्हेंद्रॱद्वेंद्रॱपदें`चस्द्रद्रपद्याॱळेंॱद्वद्रः अध्यः धुेत्रा *दे.*श.लट्र.ट्रम्.लब्र.ब्रुचबर.इ.क्र्याबर्नद्र.माङ्ग्याल्य सेल.चनट.ट्र-मिब्रा गु'रु'क्राचर र्वेट चट केत रेंदि सहंच र्वेत र वो क्त परेंद त्रस्य दर कुरा <u>ॻॹॱढ़॔ॣॻॱॿॖॆॺॺॱऀॺॖॺॱॸऀॺॱॾॗॗॱॾय़ॱऄॣ॔ॸॱॺॏॖढ़ॱॺॏॱऄॣ॔ॸॱॺऻड़ॕॱय़ॹॱढ़॔य़ॱॿॆॺॺऻ</u> रें अ'यदि'रेमा'अर्हेर्'पार'मी'श्चे'मार्हेर'र्न'रामा'वैद्य'रेर्'<u>ने</u>रा इन्द्रेयान्गारान्मीन्यये आवन्ये प्रहेमाशान्माया म्मानियार्स्नानात्त्रेयात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या के सं प्यापे देना सहिताबट मी कें कुट प्रसादहित या तु ना देन बेरा **के अप्यादे के बाज अहिंद प्रावट या अट्या** *ऀ*5ॱअॱ॔परेॱरेग्।'अर्हेर्'।यटॱळें'रेटॱळेंशःश्चेर्। द्गे.श.पाद्गे.म्या.शह्र्ये.पाट.तर्गे।



पश्चिमाधिक्याम् विद्याम् विद्याम विद्

र्ने अप्यति 'रेषा' अर्हेन् 'र्क्षण्या' तन्ति 'श्चेति 'पार्हें 'तहें व 'पा ह'गोश्युट 'न्वं श्चुत्य' कें 'रेट 'हें 'हे 'न्ट ।

क्रिन्न्य प्रहें निष्ठ प्राहें निष्ठ प्राहे



यन्वाक्षसञ्चर्यते भी विद्यानि । विद्यानि ।

